

REC Limited Media Coverage 3 March 2024

Advertorial In India Today Magazine



POWERING PROGRESS

A Look at REC Limited's Achievements

REC Limited has played a pivotal role in shaping India's power sector landscape. Established in 1969 with a focus on electrifying rural India, REC has evolved into a leading NBFC to finance the entire power sector value chain, including generation, transmission, distribution, and renewable energy segments.

Illuminating India: REC's primary mission since its inception has been to bridge the gap and electrify whole India. Through financial assistance for power projects in underserved areas, REC has significantly contributed to India's electrification drive. Our financing has helped build transmission and distribution lines, substations, and renewable energy projects, bringing light to millions of homes across the country. Every fourth bulb illuminated in the country is financed by REC. In last 10 years, REC has disbursed Rs. 7.32 lac crore to the power & infra sectors.

Financing Power Growth: REC has emerged as a critical financial institution for the entire power sector. We provide loans for various power projects, including generation (thermal, hydro, renewable), transmission, and distribution. The loan book of REC has maintained its growth trajectory and increased to ₹ 4.97 lakh crore as on 31st December 2023. Our 90% lending is in state sectors and 10% lending in private sector.

Maharatna Status and Diversification into Non-Power Infrastructure: In September 2022, REC got Maharatna Status. Post this, Govt. allowed REC to lend to the logistics and infrastructure sectors up to 1/3rd of our total sanctions annually. Till 31st December 2023, REC sanctioned Rs. 1.27 lakh crore to non-power infrastructure sectors comprising Roads & Expressways, Metro Rail, Airports, IT Communication, Social and Commercial Infrastructure (Educational Institution, Hospitals), Ports and Electro-Mechanical (E&M) works in respect of various other sectors like Steel, Refinery, etc.

Championing Renewable Energy: Recognizing the importance of clean

energy, REC has become a leading financier of RE projects in India. REC's Loan book in Renewable Energy space has grown to Rs. 29,073 Cr i.e. 7% of REC loan book in 2022-23. REC has targeted to increase RE Portfolio to Rs. 3 lakh Cr by FY2030.

Innovation and Efficiency: REC has continuously embraced innovation to improve its services and efficiency. We have implemented online loan applications,

streamlined processes, and adopted digital solutions for faster loan disbursements. Additionally, REC actively participates in the development of new financial instruments, such as green bonds, to support sustainable power projects.

Financial Sustainability: REC has maintained a strong financial performance, contributing to India's overall economic well-being. We have consistently achieved healthy profitability and a strong credit rating, allowing us to provide competitive financing options. REC holds the highest credit rating from CRISIL, ICRA, IRFPL & CARE and internationally rated at par with the sovereign ratings. Additionally, our focus on diversified loan portfolios helps mitigate risk and ensures long-term financial stability. In the last 8 quarters, we did not have any NPA and we hope, by March 2025, we shall be a Net zero NPA company.

Nodal agency: REC continues to play a key strategic role in the flagship schemes for the power sector and has been nodal agency for Pradhan Mantri Sahaj Bijli Har Ghar Yojana (SAUBHAGAYA), Deen Dayal Upadhyaya Gram Jyoti Yojana (DDUGJY) & National Electricity Fund (NEF) Scheme. REC has also been made the nodal agency for the Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS) under which Govt. targets to install 250 million smart meters by 2025. Recently, REC has also been given the responsibility of PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana under which Govt. targets to install Roof Top Solar on 1 Crore households.

In conclusion, REC Limited's achievements over the past five decades have been instrumental in shaping India's power sector. From illuminating rural homes to fostering renewable energy adoption, our multifaceted efforts have empowered communities, strengthened the economy, and paved the way for a sustainable future. REC's commitment to innovation, financial prudence, and social responsibility positions us as a key driver of India's ongoing power sector transformation. ■

REC ACHIEVEMENTS OVER YEARS

- 2017** First Indian PSU to issue USD Green Bonds on London Stock Exchange
- 2018** Achieved 100% village electrification under DDUGJY as Nodal agency
- 2019** Achieved 100% Household Electrification under SAUBHAGYA as Nodal agency
- 2021** Appointed as Nodal Agency for RDSS
- 2022** Conferred Maharatna Status by the Govt. of India
- 2023** Issued Green Bonds of USD 750 million & listed on GIFT IFSC Stock Exchanges
- 2023** Secured place in MSCI Global Standard Index
- 2023** Awarded Best Green Bond Corporate Award at The Asset Triple A Awards for Sustainable Finance
- 2023** Becomes the largest NBFC on standalone basis with a loan book of Rs. 4.97 lakh Cr
- 2023** Clocked highest ever 9M profit of Rs. 10,003 Cr in FY24
- 2023** Lowest Net NPA in industry at 0.82%
- 2024** Appointed as Project implementing Agency for PM Surya Ghar Muft Bijlee Yojna



ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति

आरईसी लिमिटेड की उपलब्धियों पर एक नज़र



आरईसी लिमिटेड ने भारत में बिजली क्षेत्र के परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 1969 में स्थापित आरईसी भारत के ग्रामीण क्षेत्र में विद्युतीकरण पर ध्यान देने के साथ-साथ विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र सहित पूरे विद्युत क्षेत्र में वित्तपोषण करने वाली एक अग्रणी एनबीएफसी के रूप में विकसित हुई है।

भारत को रोशन करना: अपनी स्थापना के बाद से आरईसी का प्राथमिक मिशन पूरे भारत में बिजली की कमी को कम करना एवं विद्युतीकरण करना रहा है। आरईसी ने वंचित क्षेत्रों में विद्युत परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत के विद्युतीकरण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी के वित्तपोषण ने ट्रांसमिशन तथा वितरण लाइनों, सबस्टेशनों एवं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण में मदद की है जिससे देशभर के लाखों घर रोशन हुए हैं। देश में हर चौथा बल्ब आरईसी के वित्तपोषण से ज्योतिर्मय होता है। आरईसी द्वारा बिजली और बुनियादी ढांचे के लिए पिछले 10 वर्षों में 7.32 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं।

ऊर्जा के विकास के लिए वित्तपोषण: आरईसी पूरे विद्युत क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थान के रूप में उभरा है। कंपनी उत्पादन (थर्मल, हाइड्रो, नवीकरणीय), पारेषण और वितरण सहित विभिन्न बिजली परियोजनाओं के लिए ऋण प्रदान करती है। आरईसी की लोन बुक ने अपने विकास मार्ग को बरकरार रखा है और 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर ₹ 4.97 लाख करोड़ हो गया है। हमारा 90 प्रतिशत ऋण राज्य क्षेत्रों में और 10 प्रतिशत ऋण निजी क्षेत्र में है।

महारत्न का दर्जा और गैर-विद्युत बुनियादी ढांचे में विविधीकरण: सितंबर 2022 में आरईसी लिमिटेड को महारत्न का दर्जा मिला। इसके बाद विद्युत मंत्रालय ने आरईसी को लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में हमारी कुल वार्षिक स्वीकृतियों का 1/3 तक ऋण देने की अनुमति दी। 31 दिसंबर 2023 तक, आरईसी ने सड़क और एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, आईटी

संचार, सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना (शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल), बंदरगाह और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम) जैसे विभिन्न क्षेत्रों सहित गैर-बिजली बुनियादी ढांचा के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए।

नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी: स्वच्छ ऊर्जा के महत्व को स्वीकार करते हुए आरईसी भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का एक अग्रणी फाइनेंसर बन गया है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आरईसी की लोन बुक बढ़कर 29,073 करोड़ रुपये हो गई है, जो 2022-23 में आरईसी लोन बुक का 7% है। आरईसी ने वित्त वर्ष 2030 तक आरई पोर्टफोलियो को बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपये तक करने का लक्ष्य रखा है।

नवाचार और दक्षता: आरईसी ने अपनी सेवाओं और दक्षता में सुधार के लिए लगातार नवाचार को अपनाया है। हमने ऑनलाइन ऋण आवेदन, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं को लागू किया है और तेजी से ऋण वितरण करने हेतु डिजिटल समाधान अपनाए हैं। इसके अतिरिक्त, आरईसी टिकाऊ बिजली परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए ग्रीन बॉन्ड जैसे नए वित्तीय साधनों के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

वित्तीय स्थिरता: आरईसी ने भारत के समग्र आर्थिक कल्याण में योगदान देते हुए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन बनाए रखा है। हमने लगातार स्वस्थ लाभप्रदता और एक मजबूत क्रेडिट रेटिंग हासिल की है, जिससे हमें प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण विकल्प प्रदान करने की अनुमति मिलती है। आरईसी को क्रिसिल, आईसीआरए, आईआरआरपीएल और केयर से उच्चतम क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे सॉवरेन रेटिंग के बराबर दर्जा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विविध ऋण पोर्टफोलियो पर हमारा ध्यान जोखिम को कम करने में मदद करना एवं दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। पिछली 8 तिमाहियों में हमारे पास कोई एनपीए नहीं था और हमें उम्मीद है कि मार्च 2025 तक हम नेट जीरो एनपीए कंपनी होंगे।

नोडल एजेंसी: आरईसी बिजली क्षेत्र के लिए भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य), दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), राष्ट्रीय विद्युत निधि (एनईएफ) योजना के लिए एक नोडल एजेंसी रही है। आरईसी को संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के लिए कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नोडल एजेंसी भी बनाया गया है, जिसके तहत सरकार ने 2025 तक 250 मिलियन स्मार्ट मीटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। हाल ही में आरईसी को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जिम्मेदारी भी दी गई है जिसके तहत सरकार ने 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

अंत में, पिछले पांच दशकों में आरईसी लिमिटेड की उपलब्धियां भारत के विद्युत क्षेत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण रही हैं। ग्रामीण घरों को रोशन करने से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने तक के हमारे बहुआयामी प्रयासों ने समुदायों को सशक्त बनाने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने एवं एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने का काम किया है।

विगत वर्षों में आरईसी की उपलब्धियां

- 2017 लंदन स्टॉक एक्सचेंज में यूएसडी ग्रीन बॉन्ड जारी करने वाला पहला भारतीय पीएसयू
- 2018 नोडल एजेंसी के रूप में डीडीयूजीजेवाई के तहत 100% ग्रामीण विद्युतीकरण किया
- 2019 नोडल एजेंसी के रूप में सौभाग्य के तहत 100% घरेलू विद्युतीकरण किया
- 2021 आरडीएसएस के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया
- 2022 भारत सरकार द्वारा महारत्न का दर्जा दिया गया
- 2023 750 मिलियन यूएस डॉलर के ग्रीन बॉन्ड जारी किए गए और गिफ्ट आईएफएससी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किए गए
- 2023 एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में स्थान सुरक्षित किया
- 2023 4.97 लाख करोड़ की लोन बुक के साथ स्टैंडअलोन आधार पर सबसे बड़ी एनबीएफसी बनी
- 2023 टिकाऊ वित्तपोषण के लिए द एसेट ट्रिपल ए अवार्ड्स-2024 में सर्वश्रेष्ठ ग्रीन बॉन्ड कॉर्पोरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया
- 2023 FY24 में पिछले 9 माह में अब तक का सर्वाधिक ₹10,003 करोड़ का लाभ
- 2023 उद्योग में सबसे कम 0.82% पर निवल एनपीए
- 2024 पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए प्रोजेक्ट क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया